74253_31091_1910051334_(2021-01-05 19:14:44)

Test Code: 31091

FIAS – 2020 – GS8E/HM1

ForumIAS

ACADEMY

GENERAL STUDIES

Name Of Candidate	SHRUTI SHARMA		
Email Id.		Roll No.	1910051334
Mobile No.		Date:	29/12/20

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

INDEX TABLE

Q. No.	Max. Marks	Marks Obtained
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
Total Marks:		

Remarks:

INSTRUCTION

1. Please do furnish Name, Email, Roll No and Mobile in the answer sheet.
2. There are TWELVE questions printed in ENGLISH and HINDI, all questions are compulsory.
3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
4. Answers must be written in the medium authorized in the admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided.
5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum Answer Booklet must be clearly Struck off.

Any specific messages for ForumIAS Mentors/ Evaluators with respect to your copy? Write it here.

Start Time | 2:00 p.m	**End Time |** 5:00 p.m
Mode Of Examination :	**Online** ☐ **Offline** ☑
ECN CODE:	**Evaluation Date:**

ForumIAS, 2nd Floor, IAPL House, #19, Pusa Road, Opposite Metro Pillar 95-96, Karol Bagh, New Delhi- 110005 | Ph: 011-49878625/ 9821711605 | Email: helpdesk@forumias.academy

Type your text

Scanned with CamScanner

Parameters	Excellent	Very Good	Good	Average	Poor	Very Poor
Language						
Structure						
Presentation						
Handwriting						
Content						
Attempt						

ADDITIONAL COMMENTS

2018 © ForumIAS | All rights reserved

Scanned with CamScanner

(Don't Write anything in this Area)

Section - A

Q.1) a) There is a view that the principal objective of ethics is equitable distribution of resources in a society and behavioural regulation at an individual level. Comment.

(10 Marks, 150 Words)

यह अवधारणा है कि नैतिकता का मुख्य उद्देश्य किसी समाज में संसाधनों का समान वितरण और व्यक्तिगत स्तर पर व्यवहारों का विनियमन है। टिप्पणी कीजिए।

(10 अंक, 150 शब्द)

नैतिकता का संदर्भ उन मुख्य मूल्यों से है जो व्यक्तिगत व सामाजिक जीवन में हमारे व्यवहार व आचरण को निर्धारित करते हैं।

इसका मुख्य उद्देश्य एक प्रकार से संसाधनों का समान वितरण भी है :

(*) 'सर्वजन हिताय - सर्वजन सुखाय' का सिद्धांत सुनिश्चित करता है कि समाज का सबसे दबा - कुचला वर्ग भी संसाधनों से वंचित न रहे

(*) दान, दया, करुणा - व कॉरपोरेट नैतिकता में CSR का सिद्धांत पिछड़े भूगौलिक व आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को विकसित करने को प्रेरित करता है

(3) अजीम प्रेमजी ने कोविड काल में

Scanned with CamScanner

६८ रोज़ २२ करोड़ का दान किया
(*) राजनीतिक तौर पर 'दुर्बलस्य बलम् राजा' का सिद्धांत – सरकार की जिम्मेदारियों को उजागर करता है

(II) व्यवहारों का विनियमन :
(*) सामाजिक संस्कृति व कार्य के विभाजन आदि को भी नैतिक मूल्य निर्धारित करते हैं
(3c) : झूठ बोलने की मनाही – 'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' का सिद्धांत

(*) बुद्ध का परोपकार का सिद्धांत भी दूसरे लोगों के प्रति हमारे भावों व आचरण को निर्धारित करता है।
परंतु इन दोनों आयामों के साथ नैतिकता एक आंतरिक सुख प्रदान करने में सुकरात के अनुसार – सर्वप्रथम सहायक है।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		Total :	

Scanned with CamScanner

(Don't Write anything in this Area)

b) How far do you agree that in modern times, ethical conduct requires a blend of teleological and deontological approach? Explain with suitable examples.

(10 Marks, 150 Words)

आप इस बात से कहां तक सहमत हैं कि आधुनिक समय में नैतिक आचरण के लिए उद्देश्यवादी (Teleologica) और कर्त्तव्यवादी (deontological) दृष्टिकोण के समायोजन की आवश्यकता है? उपयुक्त उदाहरणों सहित वर्णन कीजिए।

(10 अंक, 150 शब्द)

उद्धेश्यवादी दृष्टिकोण (जेरेमी बेंथम, जेम्स मिल द्वारा प्रतिपादित) अधिकतम लोगों के लिए अधिकतम सुख पर केंद्रित होता है।

कर्तव्यवादी दृष्टिकोण (इमैनुअल कांट) कर्तव्य की परिशुद्ध अच्छाई पर केंद्रित होता है।

इन दोनों के समावेशन से ही आधुनिक युग में नैतिक आचरण निर्धारित होना चाहिए:

① साधन और साध्य दोनों आयाम आवश्यक है

② पर्यावरण के परिप्रेक्ष्य में अंत रूप से जन कल्याण का उद्धेश्य सामने रखना चाहिए - व साथ ही साधनों पर भी ध्यान देना चाहिए - जनजातियों आदि को समावेशित कर के चलाना चाहिए।

Scanned with CamScanner

ForumIAS

(2) राजनैतिक स्तर पर : लोकतांत्रिक प्रक्रियाएँ कर्तव्यवादी दृष्टिकोण दर्शाती हैं व साथ ही उपेक्षावादी सिद्धांत को ध्यान रखते हुए — 'बहुमत के राज्य' में परिवर्तित होना चाहिए।

(3) जहाँ उपेक्षावाद अनेक वर्गों के हितों को उजागर करता है — वहीं कर्तव्यवाद शोषित वर्ग के वर्ग की इच्छाओं को भी ध्यान में रखता है।

अतः गाँधी जी के लिए साध्य व साध्य दोनों अत्यंत उपयोगी थे — एक को भूलकर दूसरे पक्ष पर ध्यान केंद्रित करने से अर्ध-विकास ही मुमकिन है।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		**Total :**	

Call us: 011-49878625, 9821711605
Blog : blog.forumias.com

Visit us : www.forumias.com
Email : helpdesk@forumias.academy

Scanned with CamScanner

(Don't Write anything in this Area)

74253_31091_1910051334 (2021-01-05 19:14:44)

Q.2) a) Are moral standards universal or do they vary across time and place? In what ways do you think religion plays a role in determining the moral standards of an individual? (10 Marks, 150 Words)

क्या नैतिक मानक सार्वभौमिक हैं या वे समय और स्थान के साथ परिवर्तित होता हैं? आपको किन तरीकों से लगता है कि धर्म किसी व्यक्ति के नैतिक मानकों को निर्धारित करने में भूमिका निभाता है? (10 अंक, 150 शब्द)

नैतिक मानक उन समाज निर्मित मानकों को कहते है जो व्यक्ति के आचरण व सोच को निर्मित करते है।

- कुछ मायनों में नैतिक मानक सार्वभौमिक कहे जा सकते हैं:
  (उदा): सच्चाई, प्रेम व भातृत्व की भावना फ्रेंच क्रांति से भारतीय संविधान मे मानी गई है

- दूसरी ओर कई मानक:
  → समय के साथ बदलते है: समलैंगिकता व अनु 377 के प्रति समाज का रुख बदला है - व प्रगतिशील मोड़ लिया है।
  → स्थान के साथ - 'इस्कीमो' समुदाय मे अपने अभिभावकों को छोड़ कर आगे बढ़ जाना स्वीकार्य होता है।

Scanned with CamScanner

(Don't Wr... anything in th...

b) Whi...

धर्म का धार्मिक मानक निर्धारित करने में अहम भूमिका होती है

- लीसो टॉलस्टॉय कहते हैं कि धर्म के बिना नैतिक मूल्य निराधार है।
- त्याग व वैराग्य की भावना हमें धर्म से प्राप्त होती है - (उदा): भगवद् गीता में समर्पण भाव पर ज़ोर
- इस्लाम से ज़कात व दान को सर्वोच्च मानने की सीख प्राप्त होती है
- कई सामाजिक प्रथाएँ — जाति प्रथा, महिलाओं का परदा इत्यादि भी धर्म से आया है।

अत: नैतिक मूल्यों को एक सीमा में बाँधना मुश्किल है - व हमारा सामाजिक पर्यावरण से निर्भर हो - इनका निर्माण होता है।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		Total :	

Scanned with CamScanner

b) Which famous personality has influenced you the most and why? In what ways have you adopted their philosophy in your life? (10 Marks, 150 Words)

आप किस प्रसिद्ध व्यक्तित्व से सबसे अधिक प्रभावित हुए है और क्यों? आपने स्वयं के जीवन में किस प्रकार से उनके दर्शन को अपनाया है? (10 अंक, 150 शब्द)

स्वामी विवेकानंद का शिकागो सेन्टर पर भाषण आज भी दुनिया भर में इंसानियत व भातृत्व, हिंदु-मुस्लिम व वैश्विक एकता के प्रतिरूप में जाना जाता है।

उनकी अनेक शिक्षाओं ने मुझे प्रभावित किया है।

① साहस - विवेकानंद के अनुसार 'कमजोरी एक पाप है, कमजोरी मृत्यु है' - किसी भी विषम परिस्थिति में हार न मानने की सीख इससे प्राप्त हुई है — व जल के डर से उनकी सीखों ने मुझे बचाया है।

② दृढ़ता - 'उठो, जागो और रुको मत जब तक लक्ष्य पा न लो' यू.पी.एस.सी की परीक्षा ले ले

Scanned with CamScanner

स्वस्थ होने के लक्ष्य में कड़ी मेहनत के लिए उनकी सीखों ने प्रेरित किया

(3) जन कल्याण - 'एक भूखे इंसान को भगवान के विषय में समझाना पाप है'। कोविड काल में घर के आस-पास के लोगों को खाना व कपड़े देने में इस सीख ने मुझे प्रेरित किया

(4) पश्चिम व पूर्व का मिलन - एक ओर अपनी संस्कृति को जानना (अभिभावकों का आदर) व पाश्चिम की सीख (आधुनिक विज्ञान व साहित्य की समझ) के बीच समन्वय को समझने में विवेकानंद सहायक रहे हैं।

अतः विवेकानंद 19th शताब्दी में ही बल्कि आधुनिक युग में भी उतने ही सार्थक हैं।

Scanned with CamScanner

Q.3) a) Major challenges of present Indian society can be solved merely by transforming the attitude of people towards certain issues. Identify and discuss any three such social issues. (10 Marks, 150 Words)

वर्तमान भारतीय समाज की प्रमुख चुनौतियों का समाधान केवल कुछ मुद्दों के प्रति लोगों की अभिवृत्ति को परिवर्तित करके किया जा सकता है । ऐसे किन्ही तीन सामाजिक मुद्दों की पहचान कीजिए और उन पर चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

अभिवृत्ति किसी भी व्यक्ति वया वस्तु विशेष के प्रति आपके स्वभाव, सोच व आचरण को निर्मित करता है — व्यक्ति निर्माण में यह एक महत्वपूर्ण घटक है।

सामाजिक मुद्दे

① अपशिष्ट प्रबंधन — FICCI के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति 1½ किलो प्लास्टिक का निर्माण करता है — व भलस्वा में कूड़े के पहाड़ हमारे इस दृष्टिकोण को उजागर करते हैं — अपने घरों को साफ़ रखते हैं व बाहर गंदा

अभिवृत्ति में बदलाव — दिल्ली मेट्रो लोगों के अभिवृत्ति में बदलाव ला - इस समस्या का हल करने में सफल हुई - एक अच्छी कार्य संस्कृति व वातावरण का निर्माण का

→ स्वच्छ भारत मिशन की असफलता का कारण.

Scanned with CamScanner

ForumIAS

(Don't Wr... anything in ...)

(2) साम्प्रदायिक हिंसा – जैसा मुद्दा भी लोगों के समक्ष सोशल मीडिया का सही उपयोग का बचाया जा सकता है
(34) नोआखली में गांधी जी के नेतृत्व से हिंदु मुस्लिम दंगे बंद हो गए थे
- पाठ्यक्रम में सभी धर्मों के प्रति आदर निर्मित करने से हिंसा व द्वेष कम हो सकता है।

(3) ~~उपभोक्तावाद~~ उपभोक्तावाद व वस्तुकरण.
फिल्मों में अच्छे 'रोल मॉडल' का प्रयोग कर, आइटम गानों के कम प्रयोग, 'जेन्डर ~~सेन्स~~ सेन्सटाईजेशन' वर्कशॉप आदि से बदलाव आने की संभावनाए हैं। जैन धर्म के अपरिग्रह का विस्तारण व ज्ञापन किया जाना चाहिए।
अभिव्यक्ति के साथ मूल्यों के परिवर्तन से दीर्घकालिक बदलाव आ सकते हैं।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		**Total :**	

Call us: 011-49878625, 9821711605
Blog : blog.forumias.com
Visit us : www.forumias.com
Email : helpdesk@forumias.academy

Scanned with CamScanner

(Don't Write anything in this Area)

b) Do you agree that people who have social influence should also have moral accountability towards their followers as well as to the wider society? Justify giving suitable examples.

(10 Marks, 150 Words)

क्या आप इस बात से सहमत हैं कि सामाजिक प्रभुत्व वाले व्यक्ति को अपने अनुयायियों के साथ-साथ व्यापक समाज के प्रति भी नैतिक जवाबदेही होनी चाहिए? उपयुक्त उदाहरण देते हुए इस औचित्य को सिद्ध कीजिए।

(10 अंक, 150 शब्द)

जनमान्य कहावत है, कि अधिक शक्ति के साथ साथ अधिक जिम्मेदारी आती है।

सामाजिक प्रभुत्व वाले लोग अनेक विशेष लक्षणों के धनी होते हैं जो जन सामान्य में उनकी पहुँच के लिए जिम्मेदार होता है।

व्यापक समाज के प्रति नैतिक जिम्मेदारी जरूरी होती है:

(*) वह समाज के कारण ही प्रख्यात होते हैं - व समाज को वापस देना उनका कर्तव्य है।

(उ): अज़ीम प्रेमजी ने कोविड के समय हर रोज़ 22 करोड़ रुपए दान किए।

(*) वह अपनी 'सामाजिक पूँजी' का प्रयोग कर उत्तम सूचनाएँ लोगों तक पहुँचा सकते हैं।

(उ) अमिताभ बच्चन का पोलियो अभियान

(Don't w... anything in ...)
Q.4) a) Gre... life.

व विध्या बालन का बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ अभियान

(*) गांधी जी का 'ट्रस्टीशिप मॉडल' उपयोग मे ला - कर्तव्य सिद्धांत के अनुसार धन वितरित करने की जिम्मेदारी

(उदा) सोनू सूद का कोविड के समय प्रवासियों को घर पहुंचाना

(*) सामाजिक क्षेत्र में सामाजिक मानकों को मानने की जिम्मेदारी

(उदा) सांप्रदायिक द्वेष आदि नहीं फैलाना चाहिए व अमन व प्रेम की बातो पर जोर देना चाहिए
प्रियंका चोपड़ा का UN महिला एम्बेसडर के रूप मे भूमिका।

सामाजिक प्रमुख वाले व्यक्तित्व अत: व्यक्तिगत जिम्मेदारी के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भार भी उठाते हैं।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		Total :	

Scanned with CamScanner

Q.4) a) Greed is a harmful negative desire. It is injurious to both personal life and work life. (10 Marks, 150 Words)

लोभ एक हानिकारक नकारात्मक इच्छा है। यह निजी जीवन और कार्यशील जीवन दोनों के लिए हानिकारक है। (10 अंक, 150 शब्द)

1. Discuss how it leads to negative emotions and undesirable behaviours.
   चर्चा करें कि यह कैसे नकारात्मक भावनाओं और अवांछनीय व्यवहारों की ओर ले जाता है।
2. How can it be managed and controlled?
   इसे कैसे प्रबंधित और नियंत्रित किया जा सकता है?

महाभारत में युधिष्ठिर कहते हैं - 'क्रोध एक मुश्किल दुश्मन के समान है परंतु लोभ एक अनंत रोग है।'

(1) यह अनेक नकारात्मक रोगों को जन्म देता है

निजी जिंदगी में :

- उपभोक्तावाद को जन्म देता है - खुशी व संयम की जगह हम वस्तुओं के संग्रहण में जीवन व्यतीत कर देते हैं।
- हम सदा ना-खुश रहते हैं - क्योंकि दार्शनिक Kierkegaard के अनुसार भौतिक वस्तुओं का कोई अंत नहीं होता

कार्यशील जीवन में :

- भ्रष्टाचार, लाल-फीताशाही, राजनैतिक तोड़जोड़ आदि को जन्म देता है
- कार्य-सहयोगों के साथ घनिष्ठ संबंध नहीं उत्पन्न होने देता - मित्रता की जगह द्वंद को जन्म देता है।

Scanned with CamScanner

(Don't W... anything in...)

• आखिरकार संपूर्ण मानव कल्याण के विरुद्ध समाज में विषमताएँ पैदा करता है।

प्रबंधन व नियंत्रण के तरीके

(1) सामाजीकरण की प्रक्रिया :

बचपन → नानी-दादी की सीख भरी कहानियाँ - भगवद् गीता का उपदेश - काम, क्रोध व लोभ के विषय में

↘ शिक्षा की परोपकार के मूल्यों को बढ़ावा देना.

कार्यस्थल → अच्छे कार्यों को बढ़ावा देना व पुरस्कृत करना

(उदा) सीमा ढाका (दिल्ली पुलिस) का 'आउट ऑफ टर्न' पदवृद्धि.

सुकरात के अनुसार जो एक समाज में पूजा जाता है - वही लोगों द्वारा अपनाया जाता है। अतः लोभ की जगह हमारी सामाजिक व्यवस्था से हटाई जानी चाहिए।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		**Total :**	

b) Discuss the significance of Plato's 'Four Golden Virtue' philosophy in the life of a common citizen in modern times. (10 Marks, 150 Words)

आधुनिक समय में एक आम नागरिक के जीवन में प्लेटो के 'चार स्वर्णिम गुण' दर्शन के महत्व पर चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्लेटो के 'चार स्वर्णिम गुण' का अर्थ है - विवेक, संयम, साहस व न्याय - इन चारों गुणों के समागम से ही व्यक्ति के जीवन में परिपूर्णता व संतुलन बन सकता है।

(*) विवेक - सांप्रदायिक दंगों के समय भावनाओं व भीड़ के आक्रोश से विह्वल न होने के बजाय व्यक्ति को अपने विवेक से काम लेना चाहिए।

(उदा) आसनसोल में अपने बेटे की मृत्यु के बाद (मॉब लिंचिंग द्वारा) भी पिता ने बदला लेने से मना किया।

(*) संयम व मध्यम मार्ग - अत्यधिक लोभ व इच्छाओं के दमन के बीच की स्थिति - संयम को बढ़ावा देना चाहिए। न ही मूर्खों की तरह बिना कुछ सोचे एक लड़ाई में कूदना चाहिए - न ही कायरों की तरह गलत बात पर आवाज नहीं उठानी चाहिए। दोनों के बीच साहस को जोर देना चाहिए

Scanned with CamScanner

(Don't write anything in ...)

(*) साहस - कोविड के समय ओडिशा की लड़की मनिका ने तमिल नाडु से 6000 प्रवासी मजदूरों को अपने साहस द्वारा पुलिस को सूचित करके बचा लिया। इसी प्रकार जिंदगी के हर आयाम को साहसपूर्ण होकर जीना चाहिए

(*) उग्रवादी इलाकों में प्रशासक का कर्तव्य निभाना

(*) न्याय - उपरोक्त तीन आयामों के सही प्रयोग से न्याय उत्पन्न होता है। लिंग व जाति आदि के आधार पर नहीं बल्कि नियुक्ति हेतु 'कौशल' को प्राथमिकता देनी चाहिए। परंतु सकारात्मक प्रक्रिया भी वितरणात्मक न्याय का एक आयाम

अतः साहस व संयम के घोड़े को विवेक के सारथी द्वारा चलाकर ही न्याय प्राप्त होता है।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		Total :	

Scanned with CamScanner

74253 31091 1910051334 (2021-01-05 19:14:44)

(Don't Write anything in this Area)

Q.5) Given are two quotations of moral thinkers/philosophers. For each of these bring out what it means to you in the present context.

यहां दो विचारों/दार्शननिकों के उद्धरणों को प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान संदर्भ में इनमें से प्रत्येक के लिए आपके अनुसार इसका क्या अर्थ है।

a) In law a man is guilty when he violates the rights of others. In ethics he is guilty if he only thinks of doing so.– Immanuel Kant (10 Marks, 150 Words)

कानून में दूसरे के अधिकार का उलंघन करने के बाद एक व्यक्ति दोषी होता है, जबकि नीति शास्त्र में केवल ऐसा सोचने वाला व्यक्ति भी दोषी होता है – इमैनुअल कांट (10 अंक, 150 शब्द)

विधि व कानून एक वैध प्राधिकरण द्वारा बनाए गए नियम होते हैं जो लोगों के अधिकारों को परिभाषित करते हैं व हमारी गतिविधियों को विधायित करते हैं।

नीतिशास्त्र वह आंतरिक व सामाजिक मानदंड है जो सही व गलत में हमें अंतर बताने का प्रयास करते हैं।

कानून	नीतिशास्त्र
① बाध्यकारी होते हैं।	① बाध्यकारी नहीं होते
② बाह्य नियंत्रण पेश है	② आंतरिक नियंत्रण होता है।

अतः कर्तव्यवादी सिद्धांत के अनुसार परिणाम आवश्यक नहीं है - जो आप सोचते हैं व आपका करने का मन ही काफी है।

Scanned with CamScanner

उदाहरण

(*) अतः अनु 17 के हटने के बाद भी कई लोग समलैंगिकता के खिलाफ हैं - कोई कदम न उठाने पर भी वह नीतिगत रूप से ग़लत माने जाएंगे

(*) जातिगत ढाँचा अभी भी बरकरार है अनु 17 व अनेक अधिनियम (SC/ST Act) होने के बाद भी

(*) CCTV लगाने से हम व्यक्ति की सच्चाई सुनिश्चित कर सकते हैं - परंतु सत्यनिष्ठा नहीं - जब एक बालक के मन में चीटिंग करने की इच्छा होती है - तभी वह मूल्यों का क्षय कर चुका है

(*) गाँधी जी के अनुसार अहिंसा एक कपड़े की तरह नहीं है जिसे कभी भी उतार व पहन लो - आंतरिक रूप से हिंसात्मक सोच का त्याग भी अहिंसा है।

अतः नीतिशास्त्र का विषय क्षेत्र से ज़्यादा व्यापक व गतिशील स्वरूप है।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		Total :	

Scanned with CamScanner

b) Righteousness is the foundation of good governance and peace. - Confucius (10 Marks, 150 Words)

न्याय परायणता (Righteousness) ही सुशासन और शांति की नींव है। - कन्फ्यूशियस (10 अंक, 150 शब्द)

2nd ARC के अनुसार सुशासन के मुख्य रूप से चार स्तंभ होते है - पारदर्शिता, जवाबदेहता, सहभागिता व नियमितता।

इन चारो स्तंभों के पीछे परायणता का स्त्रोत छिपा है :

(*) प्लेटो के अनुसार एक दार्शनिक राजा ही एक अच्छे शासन की नींव रख सकता है क्योंकि उसमे जन कल्याण के प्रति कार्य करने की इच्छा शक्ति होती है।

(*) सुक्रात के अनुसार यही अच्छे गुणों का होना एक शासक मे आवश्यक है - जो सीखी से नहीं आ सकता - ऐसा व्यक्ति लोकतंत्र की नींव रख सकता है - व स्वयं कुछ छुपाने की कोशिश नहीं करता - अतः पारदर्शिता सुनिश्चित करता है

(*) परायणता या ही करे परिणाम व अच्छे

Scanned with CamScanner

(Don't write anything...) Q.6)

नेतृत्व के गुण छिपे हैं

(३४): अशोक के परायण आचरण ने ही सुशासन सुनिश्चित किया

शांति का आधार भी परायणता व सुशासन से होकर गुजरता है

(*) बुद्ध के अनुसार परायणता का अर्थ है - 'आत्मो दीपो भव' व आंतरिक व बाह्य कृत्यों में कोई भेद न होना - यह सिर्फ एक शांत मन व मस्तिष्क के साथ संभव है।

(*) इतिहास में गाँधी जी के परायण नेतृत्व व आजकल न्यू ज़ीलैंड की जेसिन्डा आर्डेन का नेतृत्व (क्राइस्टचर्च अटैक के संदर्भ में) शांति बनाये रखने में सहायक रहा है

अतः परायणता अन्य नैतिक मूल्यों की जननी है।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		Total :	

Scanned with CamScanner

(Don't Write anything in this Area)

Q7(25) What is the role of emotional intelligence in balancing the personal and public life stresses of a civil servant?

0425_31091_19100351334_(2021-01-05 19:14:44)

(10 Marks, 150 Words)

किसी लोक सेवक के व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन के तनावों को संतुलित करने में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका क्या है?

(10 अंक, 150 शब्द)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अर्थ है अपने व दूसरो की भावनाओं को समझने व उनको सही दिशा में नियंत्रित कर - अन्य लोगो से अच्छे संबंध बनाने की क्षमता।

लोक सेवक के जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण:

व्यक्तिगत तनाव

(1) अत्यधिक काम-काज के कारण परिवार को समय न दे पाना — भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग कर बच्चों आदि को समझाया जा सकता है, सीमित समय में अच्छे से अच्छी तरह से हँसी मज़ाक कर बिताया जा सकता है।

(2) पैसों की कमी - स्वयं को गैर-धन संबंधित खुशियों - प्रकृति के साथ समय बिताना, व अभिभावकों से बात करने की अहमियत को बताने में सहायक हो सकता है।

Scanned with CamScanner

कार्य संबंधी

(1) राजनैतिक हस्तक्षेप का तनाव –
बिना किसी तनाव में आए विवेकपूर्ण ढंग से उसकी प्राथमिकताओं को ध्यान में रख – कार्य के प्रति अपने कर्तव्य को सर्वप्रथम रखने में सक्षम है

(2) संघर्षों का समाधान – 'टीम स्पिरिट' व मित्रता व अच्छे व्यवहार का प्रयोग कर लड़ाई आदि को सुलझाने में सहायता

(3) सांप्रदायिक दंगे आदि स्थिति में धार्मिक नेताओं का प्रयोग कर विवेकपूर्ण शांतिपूर्ण संदेश पहुंचाया जा सकता है – या अन्य नए उपाय

अतः भावनात्मक बुद्धिमत्ता – सामाजिक संबंधों को संभालने में एक अग्रणी भूमिका निभाती है।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		Total :	

Call us: 011-49878625, 9821711605
Visit us : www.forumias.com
Email : helpdesk@forumias.academy

Scanned with CamScanner

(Don't Write anything in this Area)

b) Distinguish between a) Persuasion and Manipulation, b) Persuasion and Propaganda.
(10 Marks, 150 Words)

अंतर कीजिए: a) अनुनय–विनय (Persuasion) तथा जोड़–तोड़ (Manipulation) b) अनुनय तथा प्रोपेगेंडा
(10 अंक, 150 शब्द)

A) अनुनय - विनय अर्थात विवेक, भाव या अन्य आर्थिक - भौतिक प्रोत्साहन दे किसी व्यक्ति या समूह को कोई बात मनवाने की चेष्ठा.

जोड़-तोड़ दूसरी ओर गलत उद्देश्य से किया गया अनुनय कहा जा सकता है - जिसमें अप्रत्यक्ष रूप से, झूठ आदि का सहारा ले व्यक्ति को मनाया जाता है।

(34) : एक व्यक्ति को दूसरे छात्र को आने वाली परीक्षा में पढ़ाने के लिए अनुनय करना — दोनों की पढ़ाई होने का फायदा बता कर व उसके सकारात्मक पहलू बता कर

जोड़-तोड़ → दूसरे छात्र की कोई गोपनीय बात बताने की चेतावनी दे कर - पढ़ने के लिए जोड़ तोड़ करना

जोड़ तोड़ में अन्त: एक नकारात्मक पक्ष होता है।

Scanned with CamScanner

(b) अनुनय जहाँ तथ्यों व विवेकपूर्ण बातों पर आधारित होता है - व द्विमार्गी हो सकता है;
वहीं प्रोपेगेंडा एक तरफा होता है; व भावनाओं का अधिकतम प्रयोग होता है - व दूसरे पक्ष को अत्यंत नकारात्मक तरीके से दर्शाता है

(3d) • एक पार्टी का लोगों के बीच अपने घोषणा पत्र को पढ़ना व वोटों की गुहार लगाना ~~प्रोपेगेंडा~~ - अनुनय है

• परन्तु हिटलर की एक पार्टी प्रणाली में उग्र रूप से यहूदियों के खिलाफ भावनात्मक व द्वेष भरी भाषणबाजी प्रोपेगेंडा का स्वरूप है।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		Total :	

(Don't Write anything in this Area)

c) The recent spate of suicide among seemingly successful people shows us that there is a need for developing both the adversity quotient and emotional quotient. Examine.

(10 Marks, 150 Words)

सफल व्यक्तियों के बीच बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति हमें यह दर्शाती है कि विपरीत परिस्थितिक विशेष बुद्धि और भावनात्मक बुद्धिमता दोनों को विकसित करने की आवश्यकता है। परीक्षण कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

हाल ही में हुई सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या से लेकर रोहित वेमुला की आत्महत्या — देश में बढ़ रही मानसिक बीमारियों (20 % लोग) व तनावों को उजागर करता है।

(★) विपरीत परिस्थितिक विशेष बुद्धि का निर्माण आवश्यक है — क्योंकि जीवन अनेक उतार-चढ़ावों का नाम है

(उद): अब्राहम लिंकन राष्ट्रपति बनने से पहले 9 बार चुनाव हारे थे व डिप्रेशन का शिकार रहे

भगवद गीता के अनुसार स्थित प्रज्ञ रहने की क्षमता ही हमें खुश रख सकती है

- भगवान बुद्ध भी समभाव रखने की अहमियत पर जोर देते हैं।

Scanned with CamScanner

ForumIAS

(A) भावनात्मक बुद्धिमता की आवश्यकता

- एक ही क्षण में कोई बड़ा कदम लेने से व्यक्ति को रोकता है - व व्यक्ति में संयम लाता है
- साथ ही भावनात्मक बुद्धिमत्ता से परिपूर्ण व्यक्ति - अन्य लोगों के आस-पास रहता है व घनिष्ठ मित्रों की सलाह से लाभ भी ले सकता है।

(34): दीपिका पादुकोन की 'लिव लाफ लव' फाउंडेशन इस प्रयास में अग्रसर है कि लोगों को सही वातावरण प्रदान करे।

परंतु साथ ही समाज को भी अपना दायित्व समझना चाहिए — आत्महत्या के मामले में संवेदना जतानी चाहिए - मानसिक बीमारियों को गंभीर रूप से लेना चाहिए व 'सोशल सेक्युरिटी नेट' बनाए रखना चाहिए।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		Total :	

Call us: 011-49878625, 9821711605
Blog : blog.forumias.com
Visit us : www.forumias.com
Email : helpdesk@forumias.academy

Scanned with CamScanner

Section – B (Case Study - केस स्टडी)

Q.7) Jyoti Kumari is a young girl staying in Gurugram with her father. Due to a nation-wide lockdown and cessation of all economic activity, her father loses his job and falls sick. With no work at hand, and little means to survive in the city, Jyoti and her father decide to go back to their native village in Bihar. However, no means of transport are available given the lockdown situation. Jyoti then decides to cycle more than 1200 km to take her father from Gurugram to their native village in Bihar.

The story of Jyoti and her father is not an isolated one in India. 'Lockdown restrictions introduced by the government have forced many migrant workers out of jobs, forcing them to migrate to their hometowns and villages. Also, the situation has been worsened due to tussle between centre and state on the issue of bearing the cost of travel of migrant labourers.

While the courage and determination of Jyoti has been widely appreciated by the public, such a scenario also paints a grim picture of a larger ethical concern that government and society at large have collectively failed to protect the rights and dignity of vulnerable sections.

a) You have been tasked with drafting a policy for migrant workers affected by the lockdown. How will you approach the problem and what would be the main elements of your suggested policy?

b) What are the exceptional qualities demonstrated by Jyoti Kumari?

(20 Marks, 250 Words)

ज्योति कुमारी अपने पिता के साथ गुरुग्राम में रहती है। राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण सभी प्रकार की आर्थिक गतिविधियों को रोक दिया जाता है, जिसके कारण उसके पिता की नौकरी चली जाती है और वह बीमार हो जाते हैं। कोई काम नहीं होने से और शहर में जीवित रहने के लिए बहुत आवश्यक संसाधन के कारण ज्योति और उसके पिता अपने पैतृक गांव बिहार वापस जाने का फैसला करते हैं। हालांकि लॉकडाउन की स्थिति को देखते हुए परिवहन का कोई साधन उपलब्ध नहीं है। इसके बाद ज्योति अपने पिता को गुरुग्राम से बिहार अपने पैतृक गांव ले जाने के लिए 1200 किमी से ज्यादा साइकिल चला कर जाने का फैसला करती है।

ज्योति और उसके पिता की कहानी भारत में कोई अलग कहानी नही है। सरकार द्वारा शुरू किए गए लॉकडाउन ने कई प्रवासी कामगारों को नौकरी छीन ली, जिससे वे अपने गृहनगर और गांवों में पलायन करने को मजबूर हुए। साथ ही प्रवासी मजदूरों की यात्रा का खर्च वहन करने के मुद्दे पर केंद्र और राज्य के बीच टकराव के कारण स्थिति और खराब हो गई है।

हालांकि ज्योति के साहस और दृढ़ निश्चय को जनता ने व्यापक रूप से सराहा है, लेकिन इस तरह के परिदृश्य में एक बड़ी नैतिक चिंता की भयावह तस्वीर भी है कि सरकार और समाज बड़े पैमाने पर कमजोर वर्गों के अधिकारों और गरिमा की रक्षा करने में विफल रहे हैं।

अ) आपको लॉकडाउन से प्रभावित प्रवासी कामगारों के लिए एक नीति का मसौदा तैयार करने का काम सौंपा गया है। आप समस्या का सामना कैसे करेंगे और आपकी सुझाई गई नीति के मुख्य तत्व क्या होंगे?

(20 अंक, 250 शब्द)

ब) ज्योति कुमारी द्वारा प्रदर्शित असाधारण गुण क्या हैं?

Scanned with CamScanner

यूनान के दार्शनिक प्लूटार्क के अनुसार -
असमानता - आर्थिक व सामाजिक सभी सभ्यताओं की मूलभूत ~~सच्चतम~~ समस्या होती है जिसका निवारण मानव विकास के लिए अनिवार्य है।

A) उपरोक्त स्थिति में प्रवासी मजदूरों के साथ-साथ अनेक हितधारक हैं जिनका ध्यान मसौदे में रखा जाना चाहिए -
शहर के अन्य निवासी, सरकार, विकासात्मक व निर्माण कार्यों में लगी कंपनियां इत्यादि

उद्देश्य :
अतः इस मसौदे में तत्कालीन तौर पर मजदूरों को राहत के आवश्यान, खाने-पीने व रहने की व्यवस्थाओं में संवेदनशीलता दिखाने की आवश्यकता है व यातायात के साधन उपलब्ध करवाने की आवश्यकता है।

दूसरी ~~और~~ ओर आर्थिक स्थिति का ध्यान रखते हुए मजदूरों को आजीविका दिलवाने व नियोजनकर्ताओं को श्रमिक पहुंचाने का कार्य करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

मसौदे के पहलू

① NGO व अन्य रेस्तरां व स्वयं सहायता समूहों की सहायता ले (ISKCON, 'गूँज' इत्यादि) मजदूरों को खाद्य पदार्थ पहुंचाने का इंतजाम — गरीब कल्याण योजना आदि के लिए उपयुक्त वितरण हेतु सुविधाएं व राशन दुकानों का इंतज़ाम

(3b) होम डिलिवरी का प्रावधान - लंबी कतारों से बचने हेतु

② किराये का खर्चा होने के कारण - वैकल्पिक आश्रयों का निर्माण अथवा ~~बस~~ आखिरी विकल्प में घरों पर जाने के लिए उपयुक्त परिवहन का इंतज़ाम

(2b) दिल्ली ने सबसे बड़ा 'शेल्टर होम'

③ प्रवासी मजदूरों के बच्चों के लिए ~~कुछ~~ शिक्षा के लिए सुविधाएं - आश्रय स्थलों पर ~~और~~ 'ऑनलाइन शिक्षा' के लिए प्रावधान

④ सुरक्षा - कोविड संबंधी सभी निर्देशों के

Scanned with CamScanner

अनुपालन हेतु जागरूकता फैलाने का प्रयास। इसमें आँगनवाड़ी सेवकों की भागीदारी की जा सकती है।

(5) आजीविका हेतु - लॉकडाउन के बाद के लिए उ.प्र. सरकार की तरह 'स्किल मैपिंग' काफी आवश्यक

अतः प्रवासी मजदूर (आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 139 मिलियन) हमारे आर्थिक व सामाजिक जीवन की रीढ़ है व ~~इनके~~ इनकी सुरक्षा हमारे समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है।

B) ज्योति कुमारी हमारे देश के अन्य बच्चों व निवासियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत के रूप में उभरती है।

(a) साहस का प्रदर्शन - सुकरात के अनुसार; वह समझदार नहीं है जो अपनी जिंदगी के लिए डरता है। अनेक विषमताओं की फिक्र किए बिना -

Scanned with CamScanner

सिर्फ लक्ष्य को अर्जुन की आँख बना, ~~~~ अपने काम पर चल पड़ी।

- कार्य व 'धर्म' के प्रति समर्पण - एक बेटी होने के नाते अपने माता-पिता का ध्यान रखना ~~~~ इसका कर्तव्य था जिसने उसे बखूबी निभाया
- निरंतर डटे रहना ('perseverence') - इसके मार्ग में अनेक बाधाएं आई होंगी जिसके उपरांत भी इसने हार नहीं मानी

इमैनुअल कांट कहते हैं; 'जो आपको करना चाहिए, वह आप कर सकते हो'? अर्थात बिना बाहरी बाधाओं का बहाना बनाए बिना - अपने कर्तव्यों का पालन व्यक्ति को निरंतर करने का उदाहरण ज्योति ने दिया।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		Total :	

Q.8) Government, recently passed a legislation which has angered a large section of the society. People belonging to all age groups, both male and female have been protesting against it. While the protest has been peaceful it has been ongoing for several months. The cause of the protestors have received support from the prominent public figures in the country.

Having stretched for such a long period, the protest has caused major inconvenience to local residents due to prolonged closure of roads. While the protestors are convinced of their right to peaceful protest till their demands are met, the local residents are of the view that protest cannot go for very long time as it is disrupting their daily normal lives. You are the Superintendent of Police in the region. You have been receiving multiple complaints by the local residents about their grievances.

a) As a Superintendent of Police of the area what shall be your role during the prolonged protest?
b) What are various options available with you? What will be your course of action?
c) Do you think that right to peaceful protest should be an absolute right available to the citizen in a democracy?

(20 Marks, 250 Words)

सरकार ने हाल ही में एक ऐसा कानून पारित किया जिससे समाज का एक बड़ा वर्ग नाराज है। सभी आयु वर्ग के लोग, पुरुष और महिला दोनों इसका विरोध कर रहे हैं। जबकि विरोध शांतिपूर्ण रहा है यह कई महीनों से चल रहा है । प्रदर्शनकारियों को देश के प्रसिद्ध व्यक्तियों का समर्थन मिला है।

प्रदर्शन के लंबे समय तक चलने के कारण, सड़कें काफी समय से बंद हैं जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय निवासियों को बड़ी असुविधा का सामना करना पड़ा। हालांकि प्रदर्शनकारी अपनी मांगें पूरी होने तक शांतिपूर्ण विरोध करने पर अडे हुए है, क्योंकि शाति पूर्ण प्रदर्शन करना उनका अधिकार है, लेकिन स्थानीय निवासियों का मानना है कि विरोध बहुत लंबे समय तक नहीं चल सकता क्योंकि इससे उनके दैनिक सामान्य जीवन में समस्याएं आ रही है।

आप किसी क्षेत्र के पुलिस अधीक्षक हैं। आपको स्थानीय निवासियों द्वारा उनकी समस्याओं से संबंधित कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं ।

अ) क्षेत्र के पुलिस अधीक्षक के रूप में दीर्घकालीन विरोध प्रदर्शन के दौरान आपकी क्या भूमिका होगी?
ब) आप के पास कौन–कौन से विकल्प उपलब्ध हैं? आपकी कार्यवाही का तरीका क्या होगा?
स) क्या आपको लगता है कि लोकतंत्र में नागरिक को उपलब्ध शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार एक पूर्ण अधिकार होना चाहिए?

(20 अंक, 250 शब्द)

युगपुरुष महात्मा गाँधी के अनुसार अनैतिक कानूनों के खिलाफ़ शांतिपूर्ण प्रदर्शन हर नागरिक का कर्तव्य है।

Scanned with CamScanner

परंतु विरोध प्रदर्शन के समय समाज के सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखना अनिवार्य है - जन सामान्य, सरकार, सड़कों पर चलती गाड़ियाँ, अन्य प्रसिद्ध व्यक्ति जो प्रदर्शन से जुड़े हैं, प्रदर्शन के नेता इत्यादि.

(अ) पुलिस अधीक्षक के रूप में निम्नलिखित कदम आवश्यक हैं।

(1) अनु 19 के अनुसार विरोध प्रदर्शन करना नागरिकों का अधिकार है परंतु उसके लिए ज़रूरी आवेदनों की जाँच करना आवश्यक है

(2) विरोध के प्रमुख नेताओं से बात कर - व प्रसिद्ध व्यक्तियों को साथ में ले - किसी और निर्धारित जगह पर विरोध करने का विरोध करना चाहिए - जन सामान्य को हो रही परेशानियों का उल्लेख करना चाहिए.

(3) ऐसा न मानने पर तत्कालीन समय के लिए, - 'ट्रैफिक संचय प्लैन' का निर्माण कर गाड़ियों के लिए वैकल्पिक

Scanned with CamScanner

मार्ग बनाना चाहिए।

(4) साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हिंसात्मक गतिविधियाँ न हो व इसके लिए फोर्स तैनात रहनी चाहिए।

(5) स्थानिक निवासी व प्रदर्शनकारियों के बीच वार्ता के लिए एक मंच को सुव्यवस्थित कर - दोनों के बीच वार्ता करनी चाहिए।

(6) उच्चतम न्यायालय अथवा सरकार के आदेशों का अनुपालन कर - स्थानिक निवासी व प्रदर्शनकारियों - दोनों की सुरक्षा का इंतजाम करना जरूरी है।

(ब) अधीक्षक के रूप में अतः दो मुख्य विकल्प है :

(I) प्रदर्शन को इसी रूप में जारी रहने देना

- इससे प्रदर्शनकारियों की अभिव्यक्ति की आजादी सुनिश्चित होगी

Scanned with CamScanner

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area)

- परंतु ~~अभी~~ अधीक्षक का ~~मि~~ 'लॉ एण्ड ऑर्डर' रखने के कर्तव्य व स्थानिक निवासियों के प्रति कर्तव्य में विघ्न पड़ेगा.

(II) प्रदर्शन को बल का प्रयोग कर सड़को को खाली कर देना.

- सरकार व प्रशासन का अहिंसात्मक तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों पर बल-प्रयोग – 'शक्ति का दुरुपयोग' होगा व सरकार का जन कल्याण के प्रति समर्पण में विघ्न डालेगा।

अत: दोनों के बीच बुद्ध के 'मध्यममार्ग' को अपना शांतिपूर्ण तरीके से बात-चीत द्वारा व विवेकपूर्ण सुझावों से, प्रसिद्ध लोगों का उपयोग कर — शांतिपूर्ण तरीके से दूसरी जगह विस्थापित करने का प्रयास करना चाहिए।

अगर स्थिति ~~से~~ हाथों से बाहर जाने लगे - व हिंसा की ओर अग्रसर हो – तो क्रमबद्ध रूप से 'वॉटर कैनन' का उपयोग चेतावनी के साथ किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

(Don't w... anything in...)
Q.9) You are ... batch of ...

स) संविधान के अनुसार भी शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार एक पूर्ण अधिकार नहीं है।

कहा गया है — 'तुम्हारी छड़ी घुमाने की आजादी मेरी नाक पर आकर खत्म हो जाती है'

(A) समाज में अनेक वर्ग उपस्थित हैं — व एक वर्ग के अधिकार दूसरे वर्ग के ऊपर नहीं होने चाहिए

अतः निम्नलिखित स्थितियों में इस अधिकार पर अंकुश लगाना उचित है :

→ जब अन्य लोगों के जीवन यापन पर दुष्प्रभाव हो (उदा): सड़कों की आवाजाही को रोकना।

→ जब उत्तेजक भाषण दिए जा रहे हो - दूसरे समुदाय की तरफ भड़काने के लिए - 'हेट स्पीच'

B इस मामले में सरकार से ज्यादा व्यक्ति को आत्म संयम व निरंतर आत्म-निरीक्षण करते रहना चाहिए।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		Total :	

(Don't Write anything in this Area)

Q.9) You are Commanding Officer of an army regiment posted in a strategic location. A batch of female officers have joined your regiment after they were granted permanent commission. After sometime, the female officer complained to you about being taken for granted by male soldiers of the regiment, working under them. They complained of being derided and laughed at and not being taken seriously. Your regiment, which traditionally had a male dominant culture is finding difficult to come to terms with women officers giving them orders.

One of the female officers has spoken to media about this issue stating that permanent commission of women is "more optics than substance". The government has come under severe criticism after this incident and mounted pressure on you to resolve the issue

Discuss the course of action you will take, under such circumstances to resolve the issue. Justify your answers (20 Marks, 250 Words)

आप एक रणनीतिक स्थान में तैनात सेना रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर हैं। स्थायी कमीशन दिए जाने के बाद महिला अधिकारियों का एक जत्था आपकी रेजिमेंट में शामिल हो गया है। कुछ समय बाद, महिला अधिकारी ने रेजिमेंट के पुरुष सैनिकों द्वारा उनके आधीन कार्य करने से संबंधित शिकायत की। उन्होंने शिकायत कि की उन्हें अपनानित किया जाता है, उनकी हंसी उठाई जाती है तथा उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता है। आपकी रेजिमेंट, परंपरागत रूप से एक पुरुष प्रधान संस्कृति वाली थी, महिला अधिकारियों के आदेश पर कार्य करने में पुरुष कर्मी असहज अनुभव कर रहे हैं।

महिला अधिकारियों में से एक ने इस मुद्दे के बारे में मीडिया से बात करते हुए कहा कि महिलाओं का स्थायी कमीशन 'नाम बड़े और दर्शन छोटे' की कहावत को चरितार्थ करता है। इस घटना के बाद सरकार की कड़ी आलोचना की गई है और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए आप पर दबाव बढ़ गया है।

इन परिस्थितियों में इस मुद्दें से निपटने के लिए आप किस प्रकार की कार्यवाही करेंगे, चर्चा कीजिए। अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए। (20 अंक, 250 शब्द)

'जब एक महिला चलती है, परिवार चलता है, गाँव चलता है, देश चलता है' - जवाहरलाल नेहरू

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में 34% के सामने भारत में महज 5-6% महिलाएँ सैन्य बलों में पाई जाती है। स्वामी विवेकानंद के अनुसार - आदमी और

Scanned with CamScanner

ForumIAS

(Don't w... anything in...

औरत एक चिड़िया रूपी समाज के दो पंखों के समान है व एक दूसरे पर वह आगे की ओर अग्रसर नहीं हो सकता।

पुरुष प्रभुता महज़ सैन्य बल नहीं बल्कि हर ओर पाई जाती है। उपरोक्त मामले में कार्य के प्रति कर्तव्य व सरकार की प्रतिष्ठा बनाम महिला सहकर्मी का साथ देना व यथार्थ सच के साथ खड़े होने की दुविधा उत्पन्न होती है।

इस मामले में निम्नलिखित विकल्प है:

(1) महिला अधिकारी को मीडिया में अपनी बात वापस लेने के लिए कहना — व अन्य अधिकारियों को 'adjust' करने के लिए कहना

↳ इससे सैन्य बल की प्रतिष्ठा तो बची रहेगी परंतु अपने कर्तव्यों का पालन व दीर्घकालिक दृष्टि से महिलाओं को

Scanned with CamScanner

कभी समान अवसर नहीं मिल पाएंगे।

(2) अन्य पुरुष अधिकारियों को बदलते परिवेश व महिलाओं की कुशलता के विषय में जागरूक व संवेदनशील करने का प्रयास - एक वर्कशॉप का आयोजन किया जा सकता है।

↳ लैंगिक समानता के उद्देश्य के साथ एक स्वस्थ कार्यस्थल वातावरण का निर्माण होगा

(3) इसके उपरांत भी अगर पुरुष अधिकारी अपना बरताव जारी रखते हैं - तो - आंतरिक कार्यवाही व कड़ी सजा का प्रावधान होना चाहिए।

↳ इससे आगे चलकर अन्य अधिकारी यह करने में ~~कतराएंगे~~ कतराएंगे।

अतः दूसरे व तीसरे कदम को उठा - कार्यस्थल का वातावरण बदलने की आवश्यकता है।

(Don't write anything in this space)

(→) साथ ही सोशल मीडिया का उपयोग का महिला मेन्कॉटों को बढ़ावा देना चाहिए

(→) सैन्य बल को स्कूलों आदि में कार्यशालाएं व वर्कशॉप करवा - लड़कियों को भी सेना में भर्ती होने पर जोर देना आवश्यक है।

परंतु साथ ही देश की सुरक्षा व कौशल और प्रतिभा का पुरस्कृत करना भी आवश्यक है - अतः लैंगिक समानता के साथ उत्कृष्टता का सिद्धांत भी महत्वपूर्ण है।

उपरोक्त कदमों से कार्य के प्रति कर्तव्य, समता व एक-दूसरे के प्रति आदर के मूल्य उद्दत होते हैं।

Call us: 011-49878625, 9821711605
Blog : blog.forumias.com
Visit us : www.forumias.com
Email : helpdesk@forumias.academy
Scanned with CamScanner

(Don't Write anything in th...

Q.10) Media is considered the fourth pillar of democracy. It is the machinery which holds government and institutions accountable and keeps their power in check. It acts as conduit between common citizen and people in power, thus playing an instrumental role in protecting the rights, liberty and dignity of the people.
However, in recent times, the mainstream media has been criticized to have shifted from ethical and responsible journalism to biased and whimsical journalism. Extreme competition and over commercialization has resulted in sensationalism taking over media ethics. Media has been focusing on trivial issues rather than concerns of common people. The current trends of media trials, fake news and paid journalism have made people question the authenticity and integrity of journalism.
In this context, discuss the ethical issues that have plagued journalism in India. How far do you think that media needs to be regulated by the government?

(20 Marks, 250 Words)

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। यह वह तंत्र है जो सरकार और संस्थाओं को जवाबदेह ठहराती है और उनकी शक्ति पर नियंत्रण रखती है । यह आम नागरिक और सत्ता में लोगों के बीच सेतु के रूप में कार्य करता है, इस प्रकार लोगों के अधिकारों, स्वतंत्रता और गरिमा की रक्षा में यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।
हालांकि हाल के दिनों में मीडिया की आलाचना की गई है, उसकी तटस्थता और निष्पक्षता पर आरोप लगाए गए हैं। यह कहां जाता है कि मिडिया अपने उद्देश्य से भटक रही है। मीडिया प्रतिस्पर्धा और व्यावसायीकरण के चंगुल में फंस कर नैतिकता के स्थान पर सनसनीखेज खबरों को अधिक प्राथमिकता देने लगा है। मीडिया आम जन की समस्याओं से विमुख हो कर अर्थहीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। मीडिया ट्रायल, फर्जी समाचार और पेड पत्रकारिता के मौजूदा रुझानों ने लोगों को पत्रकारिता की प्रामाणिकता और निष्पक्षता पर प्रश्न उठाए जाते हैं ।
इस संदर्भ में उन नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए, जिनसे भारत में पत्रकारिता त्रस्त है। आपको कहां तक लगता है कि मीडिया को सरकार द्वारा विनियमित किए जाने की आवश्यकता है?

(20 अंक, 250 शब्द)

महात्मा गांधी, जो स्वयं 'हिंद स्वराज' अखबार में लिखते थे - कहते थे कि - अखबार का काम हमेशा शक्तिशाली लोगों के खिलाफ सच्चाई को उजागर करना है।

हाल में मीडिया ने जनतंत्र के चौथे स्तंभ की भूमिका निभाने में कई

Scanned with CamScanner

चूकें की हैं।

अनेक नैतिक मुद्दे उभर रहे हैं :

(A) 'फेक न्यूज़' के कारण 'पोस्ट ट्रुथ' वर्ल्ड का निर्माण – व्हॉट्सेप जैसे सोशल मीडिया मंचों व अध्यपकों
सूचनाओं पर आधारित खबरें - लोगों में भ्रम पैदा करती हैं – व सत्य के मूल्यों से समाज को दूर ले जाती हैं।

(उ): त्रिपुरा व मेघालय में सांप्रदायिक दंगों को भड़काने का काम किया गया।

(A) 'मीडिया ट्रायल' – न्यायालयों में एवीडेन्स आदि पर आधारित निर्णयों के बजाए – टी.वी पर कई लोगों को घेरा जा रहा है।

(उ): सुशांत सिंह राजपूत के मृत्यु के मामले में टी.वी मीडिया का स्त्री-विरोधी, चीलों जैसे स्वरूप सामने आया – निजता के अधिकार का अत्यधिक हनन किया गया

Scanned with CamScanner

(Don't write anything in this...)

(*) समाज में सौहार्द के खिलाफ -
कोविड काल में तबलीगी जमात आदि मामले का सांप्रदायिक विश्लेषण इत्यादि - भारत के समावेशी व बहुसांस्कृतिक प्रकृति पर कुठाराघात है।

(*) दबले-कुचले लोगों का सहारा - मीडिया
शोषित वर्गों का सहारा न बनकर अकसर सरकार के हाथों में औज़ार बन गया है व किसी भी नीति का दूसरा पक्ष उजागर नहीं होता

(उदा): चुनावों के समय विपक्षी नेताओं से अधिक सरकारी नेताओं को अधिक समय दिया जाता है।

(*) बड़े उद्यमकर्ताओं व MNCs का प्रकोप -
स्वतंत्र मीडिया हाउस अधिक समय तक टिक नहीं पाते हैं। उद्यमी अपनी आर्थिक ज़रूरतों के अनुसार खबर दिखाते हैं।

Scanned with CamScanner

(*) वाद-विवाद की संस्कृति पर घात - अब एक व्यक्ति का दूसरों पर चिल्लाने का चलन हो गया है - व विवेकपूर्ण तथ्यों आदि का आंकलन कम होने लगा है।

अतः मीडिया को निश्चित रूप से कुछ आयामों में विनियमित करने की आवश्यकता है।

(1) जिन तथ्यों को सामने रखा जा रहा है - उसकी सत्यता का निर्धारण करना आवश्यक है।

(2) साथ ही बड़े उद्योगपतियों व राजनैतिक पार्टियों के साथ गार्थिक व राजनैतिक संबंध उजागर होने चाहिए।

(3) मीडिया ट्राइल व सांप्रदायिक ~~मत~~ विषयों पर उत्तेजित करने वाले भाषणों पर रोक लगाना आवश्यक है

(4) ब्रिटेन द्वारा रिपब्लिक टी.वी. पर रोक.

Scanned with CamScanner

(Don't Write anything in this ...)

~~विनियमन~~ विनियमन परंतु एक स्वतंत्र एजेंसी द्वारा होना चाहिए — व सामयिक जाँच व प्रबोध्यन आवश्यक है।

मीडिया का 2-G स्कैम, लोकपाल आंदोलन से ले हाथरस रेप केस तक सामाजिक मुद्दे सामने लाने मे एक अग्रणी भूमिका रही है। इस ~~सिल~~ सिलसिले को जारी रखने के लिए विनियमन करना आवश्यक है।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		Total :	

Q.11) You are the marketing head of a major jewellery brand. With festive season approaching, your team decides to adopt an aggressive marketing strategy and plans to go for advertisements in all mediums including television advertisements.

However, one of the advertisements when released got unwanted attention. Some fringe elements from a religious community claimed that the advertisement intended to malign their religious practices and it hurt the sentiments of the community. The outcry for boycotting your brand started trending on social media. The issue gained traction with some politicians commenting against your brand making it national news. This led to a lot of negative publicity and stock prices of the company going down.

On enquiry, you found that the advertisement did not raise any red flags from the research team or the focus groups and was deemed appropriate for release. You belong to the same religion which raised objections, but personally, even you did not find anything wrong with it. You have always stood up for what is right and in this instance, you feel there was nothing wrong with the advertisement and you plan to stand up against bullying by some fringe elements. However, senior management has been pressuring you to make a public apology for the incidence. Failing to do so, you may get fired.

a) What are the various ethical issues involved in this case?

b) Analyze the options available with you. What will be your course of action? Justify your answer.

(20 Marks, 250 Words)

आप एक प्रमुख आभूषण ब्रांड के प्रमुख व्यवसायी हैं। फेस्टिव सीजन के आने के साथ, आपकी टीम एक आक्रामक विपणन रणनीति अपनाने का फैसला करती है और टेलीविजन विज्ञापनों सहित सभी माध्यमों से विज्ञ. ापन करने की योजना बना रही है।

हालांकि, एक विज्ञापन जारी करने पर लोगों का अवांछित ध्यान आकर्षित हुआ। एक धार्मिक समुदाय ने दावा किया कि विज्ञापन में उनकी धार्मिक प्रथाओं को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है और इससे समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची है। ब्रांड को बदनाम करने के लिए इस विज्ञान को सोशल मीडिया पर ट्रेंड किया जाने लगा। कई राजनेताओं ने भी अपनी राजनीतिक रोटियों सेंकने के लिए इस मुद्दे को हवा दी, जिसके कारण यह विज्ञान राष्ट्रीय समाचार बन गया। इससे कंपनी का नकारात्मक प्रचार हुआ और उसके स्टॉक की कीमत कम हो गयीं।

जांच में आपने पाया कि रिसर्च टीम ने इस विज्ञापन में कोई खोट नहीं पाया था और जारी करने के लिए उपयुक्त समझा था। आप उसी धर्म के हैं जिसने आपत्ति की थी, लेकिन निजीतौर पर आपको इसमे कुछ भी गलत नहीं लग रहा था। आप सही है और आपको इस विज्ञापन में कुछ भी गलत नहीं लग रहा है। आप धर्म विशेष बेबुनियादी आपत्ति से लड़ने के लिए खड़े हो गए। हालांकि, वरिष्ठ प्रबंधन आप पर घटना के लिए सार्वजनिक माफी मांगने का दबाव बना रहा है। ऐसा न करने पर आपको आपके पद से हटाया भी जा सकता है।

अ) इस मामले में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दे क्या हैं?

ब) आपके साथ उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आपकी कार्रवाई का क्या तरीका होगा? आपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए।

(20 अंक, 250 शब्द)

Scanned with CamScanner

महात्मा गाँधी के अनुसार सत्यनिष्ठा व खुशी आपस में तब मिलती जब

जो आप सोचते हो = जो आप विश्वास करते हो = जो आप करते हो

(अ) उपरोक्त मामले में अनेक नैतिक मामले उभर कर आते हैं :

i) प्रथम विषय औपचारिक सत्यनिष्ठा से संबंधित है व समाज में सहिष्णुता व विविधता को बनाए रखने को संदर्भित करता है। एक भारत जैसी वैविध्यपूर्ण संस्कृति में हर तरह की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति की आजादी होनी चाहिए

ii) दूसरी ओर धर्म के प्रति आदर व अन्य वर्गों के धार्मिक आस्थाओं पर ठेस लगने का प्रश्न उठता है।

iii) एक रचयेता की अभिव्यक्ति की आजादी का प्रश्न भी इस विज्ञापन से जोड़ा जा सकता है।

Scanned with CamScanner

iv) परंतु लाभ की कॉरपोरेट नैतिकता के दायरे में तीन घटक आते हैं।

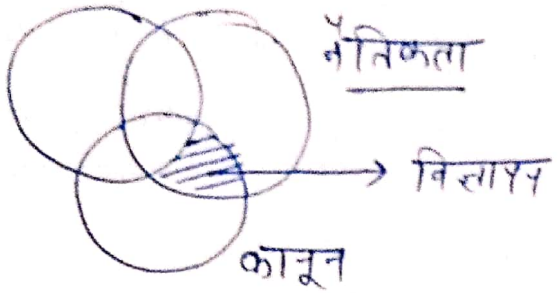

विज्ञापन कंपनी के नैतिक व विधिवत निगमीय दायित्वों को तो पूरा करता है परंतु लाभ नहीं प्रदान करता

v) एक कंपनी का हिस्सा होते हुए कंपनी के आदेशों का पालन करना भी व्यक्ति का कर्तव्य है।

(ख) अतः निम्नलिखित विकल्प सामने आते हैं।

i) विज्ञापन को वापस लेना - इससे कंपनी को वापस लाभ होने की संभावना है व उच्च अधिकारियों का पालन होगा। साथ ही व्यक्तिगत तौर पर नौकरी भी बची रहेगी।

Scanned with CamScanner

(Don't Write anything in this Area)

(~~ii)~~ ~~प्रथम~~ – परंतु इससे आंतरिक सत्यनिष्ठा पर प्रभाव पड़ेगा व मैं स्वयं अपने से मुँह नहीं मिला पाऊँगा – व 'आंतरिक dissonance' व ग्लानि का भाव संभव है।

- संभव है दीर्घकालिक रूप में भी कंपनी को लाभ न हो – व अपने उसूलों पर न खड़े होने से नुकसान झेलना पड़े।

ii) ~~कंपनी छोड़ देना~~ विज्ञापन वापस न लेना

- इससे कंपनी से निष्कासित कर दिया जाऊँगा।
- संभव है विज्ञापन तब भी कंपनी द्वारा वापस लिया जाए
- परंतु आंतरिक रूप से खुशी रहेगी।

अतः इन दोनों विकल्पों में दूसरा चुनना अधिक लाभप्रद व नैतिक होगा –

Scanned with CamScanner

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area)

पोतु :

① मैं कंपनी के अधिकारियों को दीर्घ-कालिक कंपनी 'ब्रैंड-वैल्यू' में 'पब्लिक अपोलजी' देने के दुष्प्रभाव को समझाने की कोशिश करूँगी।

② साथ ही एक खत द्वारा लोगों में यह सूचना जारी की जा सकती है कि विज्ञापन का मकसद लोगों की भावनाओं को आहत करना नहीं था।

अतः एक बहुआयामी एप्रोच से इस समस्या का निवारण हो सकता है।

Feedback (For OFFICE use only)

Structure		Content	
Question Interpretation		Total :	

Scanned with CamScanner

(Don't Write anything in this space)

74253 31091 1910051334 (2021-01-05 19:14:44)

Q.12) During the peak of a pandemic, you registered to become a volunteer for human trials during vaccine development by a reputed pharmaceutical company X. Being a young, athletic and fit person, you were immediately selected for the trial.

After being given the vaccine, your tests showed positive results with 90% effectiveness, which was considered a huge success. The company X published about this trial success in the media and claimed that it would be able to come out with a vaccine within a month. The company thereafter bagged contracts for vaccine supply from the health ministry as well as many foreign governments. The share prices of the company also skyrocketed within a few days.

A few weeks after the trials however, you started showing symptoms of many side-effects of the vaccine – including breathing problems, blurry vision and severe headache. When you contacted the company X about the issue, they asked you to remain silent about the issue as it would result in a huge financial loss for the company. You want to release the issue of side-effects to the media in order to prevent a defective vaccine from being released. However, you have signed a non-disclosure agreement with X. Thus, you may get sued for going public.

Analyze the options available with you. What will be your course of action? Justify your answer.

(20 Marks, 250 Words)

किसी महामारी के चरम के दौरान, आप एक प्रतिष्ठित दवा कंपनी X द्वारा वैक्सीन विकास के दौरान मानव परीक्षणों के लिए एक स्वयंसेवक बनने के लिए पंजीकृत है । एक युवा, एथलेटिक और फिट व्यक्ति होने के नाते, आपको तुरंत परीक्षण के लिए चुना गया।

टीका दिए जाने के बाद, आपके परीक्षणों ने 90 प्रतिशत प्रभावशीलता के साथ सकारात्मक परिणाम दिखाए, जिसे एक बड़ी सफलता माना गया। कंपनी X ने मीडिया में इस ट्रायल की सफलता के बारे में प्रकाशित किया और दावा किया कि वह एक महीने के भीतर एक टीका लेकर आ सकेगी। इसके बाद कंपनी ने स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ–साथ कई विदेशी सरकारों से वैक्सीन आपूर्ति के लिए अनुबंध किया । कंपनी के शेयर की कीमतें भी कुछ ही दिनों में आसमान छू रही थीं।

परीक्षणों के कुछ हफ्तों बाद, आपमें वैक्सीन के कई दुष्प्रभावों के लक्षण दिखाने लगे जैसें सांस लेने की समस्या, धुंधलापन और तेज सिरदर्द शामिल हैं। जब आपने इस मुद्दे के बारे में कंपनी X से संपर्क किया, तो उन्होंने कहा कि आप इस मुद्दे पर चुप रहे अन्यथा कंपनी के लिए एक बड़ा वित्तीय नुकसान होगा। आप एक दोषपूर्ण टीका जारी होने से रोकने के लिए मीडिया को इसके

साइड इफेक्ट बताना चाहते हैं। हालांकि, आपने X के साथ एक गैर–प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अगर आप इस मुद्दे को मीडिया में ले जाते हैं, तो कंपनी आप पर मुकदमा कर सकती है। आपके साथ उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आपकी कार्रवाई का क्या तरीका होगा? आपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए।

(20 अंक, 250 शब्द)

Scanned with CamScanner

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area)

उपरोक्त मामले में अनेक हित धारकों को ध्यान रखना व उनके हितों के विषय में समावेशी रूप से सोचना अनिवार्य है।

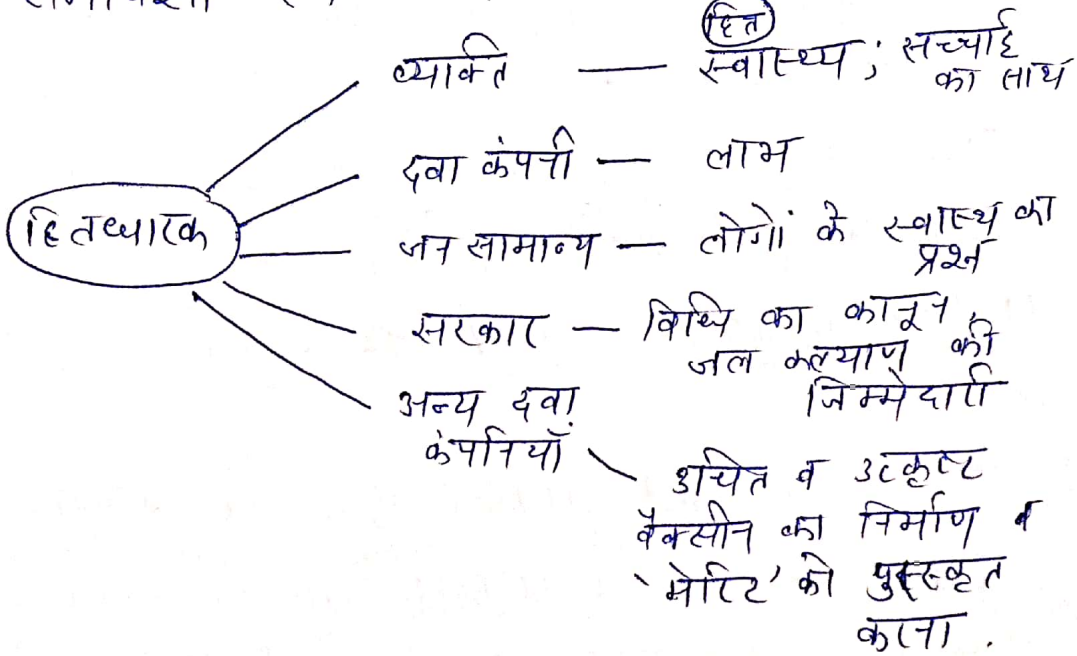

अतः इस मामले में अन्य दुविधाएं व संकट उत्पन्न होते हैं। एक ओर विधिक रूप से अनुबंध का अनुपालन है तो दूसरी ओर जन कल्याण व स्वास्थ्य का सवाल। एक ओर कंपनी के लाभ का सवाल है तो दूसरी ओर नैतिकता के प्रति प्रतिबद्धता।

Scanned with CamScanner

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area)

अतः निम्नलिखित उपाय मौजूद हैं :

(1) मीडिया में जाकर कंपनी के बारे में व खुद की स्वास्थ्य परेशानियों को उजागर करना —
इससे जन कल्याण व कर्तव्य का अनुपालन होगा परंतु व्यक्तिगत तौर पर विधिक कार्यवाही झेलनी पड़ सकती है।

(2) कंपनी की बात मानकर कुछ नहीं करना - इससे विधिक कार्यवाही तो नहीं होगी परंतु व्यक्तिगत तौर पर स्वास्थ्य की क्षति होगी, परंतु देश व विदेशी तौर पर भी दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकते हैं - जन सामान्य - खासकर बूढ़े - बच्चे आदि जिनपर वैक्सीन का और तीव्र प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही यह प्रतिस्पर्धी के मंच पर भी गलत प्रभाव डालता है - सच्चाई को छुपाकर - अन्य कंपनियाँ जो अधिक ट्रायल कर रही हैं - वह

Call us: 011-49878625, 9821711605
Blog : blog.forumias.com
Visit us : www.forumias.com
Email : helpdesk@forumias.academy

Scanned with CamScanner

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area)

हतोत्साहित अपने कार्यों का लाभ नहीं उठा पाएंगे।

अतः निस्संदेह मुझे यह बात ~~मीडिया~~ सरकार के समक्ष उजागर कर देनी चाहिए।

- अनुबंध के संदर्भ में भी न्यायालय विषय की गंभीरता को समझ - ध्यानपत दे सकता है
- परंतु यह बात उजागर न करने पर लागत बहुत अधिक हो सकती है - व हज़ारों निर्दोष लोगों की जानें जा सकती है।

अतः सहानुभूति, साहस व दृढ़ता का प्रदर्शन कर उपरोक्त कदम उठाने आवश्यक है।

Call us: 011-49878625, 9821711605
Blog : blog.forumias.com

Visit us : www.forumias.com
Email : helpdesk@forumias.academy

Scanned with CamScanner